स्वर्णिम भारत का आधार – सशक्त किसान –समृद्ध गाव सम्मेलन

<u>कामठी (महाराष्ट्र)</u> :- ब्रह्माकुमारीज ग्राम विकास प्रभाग द्वारा कामठी में आयोजित 'स्वर्णिम भारत का आधार - सशक्त किसान समृद्ध गाव सम्मेलन' कार्यक्रम में विशेष मार्गदर्शक के रूप में रिजनल सेंटर ऑफ़ आर्गेनिक फार्मिंग (भारत सरकार) के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अजय सिंह राजपूत ने कहा कि भुमी ,पेड़-पौधे ,पंछी, जानवर ,मनुष्य का आपस में बहुत गहरा रिश्ता है | कई ऐसे पौधे है जिससे हम खेत में आवश्यक जीवाणु को प्रयोग में ला सकते है ओंर खेती को रासायनिक खतो के प्रयोग से बचा सकते है| संस्था के इस प्रयास के लिए धन्यवाद करते हुए ऐसे कार्यक्रमों का बार बार आयोजन करने का विचार व्यक्त किया|

ग्राम विकास प्रभाग के कार्यकारी समिति के सदस्य बी के महेंद्र भाई ठाकुर (गोंदिया) ने अपने उद्बोधन में कहा कि समय की जरूरत है की जैविक खेती के साथ साथ शाश्वत योगिक खेती को अपनाना जरुरी है | हमारे संकल्पों का प्रभाव पेड़ पोधो पर पड़ता है जिसका सफल प्रयोग हम अपने खेतो पर कर रहे है |किसानो को शाश्वत योगिक खेती का प्रयोग कर स्वयं को मानसिक रूप से सशक्त और अपने भुमी को फिर से उपजाऊ बनाने की जरूरत है |

उन्नत किसान अधिवक्ता कोतवाल (स्वदेशी महासंघ) ने कहा कि मै किसान का बेटा हू वकालत के साथ साथ खेती भी करता हु मुझे बहुत आनन्द आता है और मै यहा से संकल्प करता हु कि शुद्ध विचारो के साथ जैविक और योगिक खेती करूँगा|

सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी प्रेमलता बहन ने अतिथियों एवं सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की प्रस्तावना में कहा कि अपने खेतो में योग के प्रयोग करे ,स्वयं को भी और अपनी धरती माता को रसायनयुक्त जहर से मुक्त करे ,सात्विक और पौष्टिक अन्न का निर्माण करने के लिए प्रतिज्ञा करवाने के साथ गाव को सशक्त समृद्ध बनाकर स्वर्णिम भारत का निर्माण करने का आव्हान किया |

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सहाय्यक निदेशक आर. पी. सिंह, वैज्ञानिक डी. के. शर्मा , पूर्व आमदार देवरावजी रडके , वर्धा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी माधुरी बहन ,क्षेत्र के गणमान्य नागरिक तथा हजारो किसानो ने लाभ लिया |साथ ही आदर्श गाव का मॉडल , योगिक खेती से उत्पादित फल और सब्जी का प्रदर्शन किया और शाश्वत योगिक खेती की चित्र प्रदर्शनी का हजारो लोगों ने अवलोकन किया और कई किसान भाईयो ने योगिक खेती को अपनाने का संकल्प किया |